

- ordines super laevo et sub dextro humero gerunt. AM.
- उपशम *m.* (र. शम् स. ऋ) 1) quies. SAK. 53.3. infr. 2) placatio, sedatio. HIT. 57. 11.: भयोपशमम् प्रतिज्ञाय. 3) cessatio. HIT. 80. 21.: वृष्टेरु उपशमः
- उपशल्य *n.* (उप + शल्य a र. शल् स. य) finis, terminus vici, Colebr. «space near a village». AM.: ग्रामान्त उपशल्यं स्यात्.
- उपशान्ति *f.* (र. शम् स. ति) placatio, sedatio. HIT. 75. 5.
- उपसंहार *m.* (र. ह् प्राef. उप + सम्) retentio, inhibitio. A. 5. 6.
- उपसम्भ्यान *n.* (र. व्ये स. ऋन, v. gr. min. 353.) vestis inferior. AM.
- उपसर *m.* (र. सृ स. ऋ) primus vaccae initus. AM.
- उपसर्ग *m.* (र. सृज् स. ऋ) portentum. AM.: ऋजन्य ... उत्पात उपसर्गः समन् त्रयम्; DEV. 12. 7.
- उपसयी *f.* (र. सृ स. य in fem.) vacca tauro submitienda. AM.
- उपसुन्द *m.* (ex उप et सुन्द) *n. pr.* SU. 1. 3.
- उपसूर्यक *m.* (ex उप et सूर्य स. क) discus solis. AM.
- उपस्कार *m.* (र. कृ प्राef. उप cum सू euphonico, स. ऋ) condimentum. AM.
- उपस्तम्भ *m.* (र. स्तम्भ स. ऋ) fulcrum, adminiculum, munimentum. HIT. 29. 19. 104. 6.
- उपस्त्री *f.* (ex उप et स्त्री) concubina (cf. उपपति).
- उपस्थ *m.* (र. स्था स. ऋ) 1) genitale. 2) in compos. cum antecedente रथ videtur esse i. q. तल i. e. superficies, nisi थोपस्थ est currus sedile. N. 21. 19. BH. 1. 47. (Cf. पृ, quod in compositione cum मही teste Haughtonio ita superficiem significat, et, nisi fallor, ab A. G. S. legelio alicubi apte e प्र + स्थ, correpto र in ऋ, explicatur.)
- उपस्थान (र. स्था स. ऋन) 1) aditio, appropinquatio. UR. 26. infr. 2) propinquitas. IN. 5. 23.
- उपस्ति *v. rad.* स्था.
- उपस्पर्ग *m.* (र. स्पृश् स. ऋ) actio abluendi, praesertim os aqua luendi. AM.: = आचमन.
- उपहार *m.* (र. ह् स. ऋ) 1) donum, munus. Wils. «a complimentary gift, a present to a superior, etc.» UR. 31. 3. infr. 45. 1. infr. 2) victima. HIT. 99. 8. 17.
- उपहारक *m.* (a praec. स. क) *id.* UR. 45. 2. infr.
- उपह्वर *m.* (र. ह्वृ स. ऋ) propinquitas. A. 1. 5.
- उपांशु (APR. ex उप et अंशु radius) secreto, clam. AM.
- उपाकृत *m.* (र. कृ प्राef. उप + आ स. त) victima. AM.: पशुर अशौ यो ऽभिमन्त्र्य क्रतौ हतः.
- उपाङ्ग *m.* (KAR. ex उप et अङ्ग) *pl.* उपाङ्गाः libri sacri sic dicti. N. 12. 17.
- उपात्यय *m.* (र. इ प्राef. उप + अति स. ऋ) actio transcendendi, violatio, neglectio, derelictio. AM.: = अतिपात.
- उपाध्याय *m.* (र. इ प्राef. उप + अधि स. ऋ) magister, praeceptor. AM.
- उपानत् *v. sq.*
- उपानह *f.* (र. नह प्राef. उप + आ; Nom. उपानत्, v. gr. 216.) calceus. HIT. 32. 13.
- उपान्त (ex उप et अन्त) 1) *Adj.* propinquus. HEM. 2) *n.* propinquitas. HIT. 91. 15.
- उपाय *m.* (उप + अय a र. इ स. ऋ) remedium; dolus. N. 4. 19. 19. 4. 24. 29. SU. 2. 21.
- उपायतस् *Adv.* (a praec. स. तस्) remedio; dolo. BH. 6. 36.
- उपायन *n.* (र. इ स. ऋन) donum, munus. HIT. 57. 12.
- उपायात (र. या ire, प्राef. उप + आ स. त) 1) *Adj.* qui adiit, advenit. 2) *Subst. n.* adventus. DR. 4. 24.
- उपालम्भ *m.* (र. लम्भ प्राef. उप + आ स. ऋ) vituperatio, reprehensio. HIT. 13. 18.; v. sq.
- उपालम्भन *n.* (र. लम्भ प्राef. उप + आ स. ऋन) *id.* HIT. 87. 21.
- उपासन *n.* 1) (a र. आस् sedere स. ऋन) servitium. AM. 2) (a र. आस् jaculari) actio sagittas conjiciendi. AM.
- उपास्ति *f.* (र. आस् स. ति) servitium. HEM.
- उपाहित *m.* (र. धा स. त) meteoron. AM.: अग्न्युत्पात उपाहितः.
- उपेक्षा *n.* (र. ईक्ष् स. ऋन) despicientia; neglectio. HIT. 69. 2.; v. sq.